राज्य स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी

दिनांक 1 से 3 मार्च 2015

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र तीन दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 1–3 मार्च 2015 को करने जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य **नई कृषि तकनीकों द्वारा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी** करना है। पिछले एक वर्ष से कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों को अधिक आय दिलाने हेतु उदयपुर जिले की परिस्थतियों को देखते हुए एक कार्य योजना तैयार की गयी है, जो कि इस प्रकार हैः–

(1) मातृ उद्यान : राजस्थान फलों के उत्पादन के लिये विशेष महत्व रखता है। जलवायु और ज़मीन अधिक शुष्क बागवानी के लिये बहुत उपयुक्त हैं। इसके लिये आवश्यक है कि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले पौधे और उनसे अधिक उत्पादन की तकनीक मिले। इसे देखते हुए यहाँ की जलवायु के अनुरूप केन्द्र पर विभिन्न फलों की किस्मों के मातृ उद्यान लगाये गये हैं, जिनमें संतरा, अमरूद, अनार, मौसम्बी, नींबू, आम एवं सीताफल शामिल हैं। इन फलों की पौध सामग्री देश के प्रतिष्ठित अनुसंधान केन्द्रों और संस्थानों से लायी गयी है। आने वाले वर्षों में इन पौधों से विभिन्न फलों की प्रजातियों के गुणों से युक्त पौध तैयार कर संभाग के किसानों को उपलब्ध करायी जायेगी। इसके लिए एक लाख पौधे प्रति वर्ष मातृ उद्यान द्वारा तैयार किये जायेंगे। इससे किसानों को बग़ीचे लगाकर अधिक आय उपार्जन में मदद मिलेगी।

(2) तकनीकी प्रक्षेत्र : नई कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा किसानों की आमदनी में बहुत वृद्धि की संभावना है, पर एक ही समय सभी प्रौद्योगिकी के बारे में किसानों को जानकारी व देखने को नहीं मिलती है। इसे देखते हुए राजस्थान में पहला प्रयास ज़्यादा–से–ज़्यादा नई तकनीकों का प्रदर्शन कृषि विज्ञान केन्द्र के खेतों में किया है। केन्द्र पर 1.20 हैक्टेयर क्षेत्र में एक तकनीकी प्रक्षेत्र विकसित किया गया है जिसमें 16 फसलों की 145 किस्मों को प्रदर्शित किया गया है। इन फसलों में गेहूँ, चना, सरसों, गोभीवर्गीय, प्याज़, लहसुन, टमाटर, विदेशी सब्जियाँ, मेथी, पालक, भिण्डी, मिर्ची आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तकनीकी प्रक्षेत्र में नियंत्रित वातावरण में विभिन्न सब्ज़ियों का उत्पादन करने के लिए चार वॉक–इन–टनल का निर्माण किया गया है, जिनमें पूरे वर्षभर सब्ज़ियों का उत्पादन लिया जा सकता है। सब्ज़ी उत्पादन से आय दुगुना से चौगुना तक हो जाती है।

(3) कन्टेनर गार्डनिंग : केन्द्र पर विभिन्न मौसमी सब्ज़ियों का घरों में उपलब्ध अनुपयोगी डिब्बों व खाली कट्टों में उत्पादन करने की विधि का प्रदर्शन भी किया गया है। यह प्रदर्शन विशेष रूप से उन शहरी परिवारों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हो सकता है जो कि बहुमंज़िली इमारतों अथवा छोटे मकानों में रहते हैं या फिर स्वयं घर पर कीटनाशक, रासायनिक खाद मुक्त ताज़ा सब्ज़ी अपने परिवार के लिए उगाना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि इसे देखकर गृहणियाँ घरों में और छतों पर सब्ज़ी उगाकर आनन्द महसूस करेंगी।

(4) पशु बाँझपन उपचार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र : केन्द्र पर बाँझ गाय एवं भैंसों को भर्ती कर उनके इलाज की व्यवस्था की गयी है। ऐसे पशुओं को केन्द्र द्वारा मुफ्त चिकित्सा व दवाइयाँ उपलब्ध करायी जाती हैं, जबकि पशु के खाने–पीने का ख़र्च मालिक द्वारा वहन किया जाता है। इसके अतिरिक्त यहाँ पशुपालन विभाग के सहयोग से प्रदेश के पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं पशुधन सहायकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है, जिसके तहत अब तक लगभग 700 पशु चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अनुसंधान कार्य के तहत् के.वी.के.–आर.डी.डी.सी. उदयपुर प्रोटोकाल को बाँझपन चिकित्सा हेतु विकसित किया गया है। इसके तहत् चिकित्सा, परीक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधान के प्रोटोकॉल विकसित किये गये हैं।

(5) कृषि सूचना एवं उत्पाद विक्रय केन्द्र का शिलान्यास : केन्द्र पर एक अति–आधुनिक कृषि सूचना एवं उत्पाद विक्रय केन्द्र की स्थापना प्रस्तावित है जिसका शिलान्यास दिनांक 1 मार्च 2015 को प्रातः 9.30 बजे सम्मानीय डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, भारत सरकार व महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया जायेगा। इस केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय कृषकों को विषय विशेषज्ञों द्वारा कृषि संबंधी आधुनिक तकनीक से अवगत कराना व केन्द्र पर ताज़ा कृषि उत्पाद उपलब्ध कराना है।

(6) कृषि प्रदर्शनी : विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र पर आयोजित प्रर्दशनी में राज्य के प्रतिष्ठित कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, राजकीय विभाग, स्वयं सेवी संस्थान एवं बीज, खाद, कीटनाशक आदि की निजी कम्पनियाँ भाग लेकर अपनी प्रौद्योगिकी और उत्पाद का प्रर्दशन और बिक्री करेंगे। कृषकों को नई तकनीक को देखने का मौका मिलेगा। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तहत् हाल ही में पूरी हुई राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना के विभिन्न केन्द्रों के लगभग 300 कृषकों से डॉ. एस. अय्यप्पन रू–ब–रू होंगे। इस परियोजना से उत्पादित विभिन्न उत्पादों का अवलोकन एवं इससे होने वाले लाभ के बारे में कृषकों से चर्चा की जावेगी। साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण पर चर्चा होगी।

(7) मुख्य कार्यक्रम : कृषि के प्रति रूचि बढ़ाने के लिये स्कूली बच्चों के लिये विशेष कार्यक्रम रखा है, जिसमें कृषि विज्ञान से जुड़े प्रयोग रखे जायेगे। उद्घाटन समारोह में किसानों को विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियों के लिये पुरस्कृत किया जायेगा। साथ ही प्रदर्शनी में लाये गये फसल, फल, सब्ज़ी प्रदर्शन में सर्वश्रेष्ठ किसानों को विभिन्न वर्गों में पुरस्कार मुख्य अतिथि द्वारा दिया जायेगा।

डॉ. ए. एस. जोधा
कार्यक्रम समन्वयक